एन: यह एक जैव-उर्वरक है जिसमें एज़ोटोबैक्टर प्रजाति होती है। यह गैर-जैविक रूप से मिट्टी में वायुमंडलीय नाइट्रोजन का स्थिरीकरण करता है और इसे पौधों को उपलब्ध कराता है। यह बाहरी और आंतरिक दोनों प्ररोह जड़ों को बांधता और बसाता है। इससे बीज अंकुरण और पौधों की वृद्धि में सुधार होता है।

P: यह एक फॉस्फेट घुलनशील जैवउर्वरक है। P अघुलनशील फॉस्फेट को घुलनशील बनाने में मदद करता है और इसे पौधों के लिए जैविक रूप से उपलब्ध बनाता है। यह रासायनिक फॉस्फेट उर्वरकों के उपयोग को कम करने और मिट्टी की संरचना में सुधार करने में मदद करता है।

K: K में पोटेशियम-घुलनशील बैक्टीरिया होते हैं, जो अघुलनशील अकार्बनिक पोटेशियम को घोलते हैं और इसे अघुलनशील रूप में पौधों को उपलब्ध कराते हैं।

यह मिट्टी की उर्वरता को बहाल करने में मदद करता है, जो रसायनों के अत्यधिक उपयोग के कारण खो गई है, यह जैव-उर्वरक की तीन अलग-अलग इकाइयों अर्थात् एन, पी और के का एक संयोजन है।

लाभ:

जानकी एनपीके फसल की उपज बढ़ाता है।

यह मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता को भी बहाल करता है।

यह सिलिका को घुलनशील बनाता है और इसे पौधों को उपलब्ध कराता है।

इससे जड़ों का घनत्व बढ़ता है, जिससे पोषक तत्वों का बेहतर अवशोषण होता है।

यदि जानकी एनपीके की खुराक का उपयोग मात्रा में किया जाए तो भी यह फसल या गुणवत्ता और मिट्टी को नुकसान नहीं पहुंचाता है।

का उपयोग कैसे करें:

जड़ के पास 50 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से जानकी एनपीके का प्रयोग अनुशंसित है।

बोई गई फसलों के लिए, जानकी एनपीके को एक बाल्टी पानी में अच्छी तरह मिलाएँ। फिर इसे पानी के साथ दें।

जैविक खाद जानकी प्रोम (फॉस्फोरस रिच ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर) तकनीक का उपयोग करके तैयार की जाती है। जानकी प्रोम जैविक खाद बनाने की एक नई तकनीक है। इसे गोबर, रॉक फॉस्फेट और पीएसबी बैक्टीरिया का उपयोग करके बनाया जाता है।

जानकी प्रोम विभिन्न फॉस्फोरस युक्त जैविक पदार्थों, जैसे गोबर, फसल अपशिष्ट, चीनी मिलों की प्रेस मड, जूस उद्योग का अपशिष्ट, विभिन्न प्रकार के केक और ऊन कारखानों से निकलने वाले अपशिष्ट आदि को रॉक फॉस्फेट के साथ मिलाकर बनाया जाता है। जानकी प्रोम खनिज उर्वरकों और केवल कृषि उपयोग के लिए प्रयुक्त जैविक उर्वरकों का मिश्रण है। जानकी प्रोम का उपयोग पौधों को फॉस्फोरस (फॉस्फोरस पादप पोषक तत्व) प्रदान करने के लिए किया जाता है। जीवाणु रॉक फॉस्फोरस को पचाकर उसे गोबर में उपलब्ध कराते हैं, इसलिए जानकी प्रोम पूरी तरह से जैविक है।

लाभ:

जैविक खादों से अनाज, दालों, सब्जियों और फलों की गुणवत्ता बढ़ाने से उनका स्वाद बेहतर होता है।

रोगों के प्रति प्रतिरोधिता मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालती।

जानकी प्रोम, किसान द्वारा डीएपी और एसएसपी खरीदने पर खर्च किए जाने वाले धन से भी कम धन में अच्छी फसल पैदा कर सकता है।

मिट्टी को नरम करने के साथ-साथ जानकी प्रोम लंबे समय तक पोषक तत्वों की उपलब्धता बनाए रखता है।

जानकी प्रोम लवणीय और क्षारीय मिट्टी में भी प्रभावी ढंग से काम करता है जबकि डीएपी ऐसी मिट्टी में काम नहीं करता है।

किसान अपनी फसलों के लिए डीएपी और एसएसपी के पूरक के रूप में खेत में जानकी प्रोम का उपयोग कर सकते हैं और जानकी प्रोम खेत की उर्वरता बनाए रखता है, जिससे वे अगली पीढ़ी के किसानों को स्वस्थ भूमि दे सकते हैं।

जैविक खादों से अनाज, दालों, सब्जियों और फलों की गुणवत्ता बढ़ाने से उनका स्वाद बेहतर होता है।

रोगों के प्रति प्रतिरोधिता मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालती।

का उपयोग कैसे करें:

कंपनी द्वारा बुवाई के समय 50 किलोग्राम प्रति एकड़ जानकी प्रोम का उपयोग करने की सिफारिश की गई है।

जानकी पोटाश एक जैव-उर्वरक है जो फ्रेटुरिया ऑरेंटिया जीवाणु पर आधारित है। यह मिट्टी में पोटाश की गति को तेज़ करता है। इससे पौधे पोटाश को आसानी से अवशोषित कर लेते हैं।

जानकी पोटाश एक पोटाश घुलनशील जैविक उर्वरक है जो मिट्टी में उपलब्ध पोटेशियम को गतिशील बनाता है और मिट्टी और मिट्टी के कोलाइड्स में पोटेशियम और सिलिका अणुओं के बीच के बंधन को तोड़कर उसे जड़ क्षेत्र/पौधे तंत्र तक पहुँचाता है, जिससे यह स्थिर हो जाता है। जानकी पोटाश KMB बैक्टीरिया से निर्मित एक नई तकनीक है।

जानकी पोटाश दाल से बनाई जाती है। गुड़, शहद जैसा चिपचिपा सिरप, चीनी उद्योग का सबसे मूल्यवान उपोत्पाद है। यह चीनी मिलों में चीनी उत्पादन के दौरान प्राप्त अवशिष्ट सिरप है।

लाभ:

जानकी पोटाश पौधों की समग्र वृद्धि और फलों की गुणवत्ता में सुधार के लिए आवश्यक है। जानकी पोटाश उर्वरक आपके बगीचे के पौधों के लिए निम्नलिखित लाभ प्रदान करता है, जैसे:

जानकी पोटाश उर्वरक आपके पौधों को बड़े फल और सब्जियां उगाने के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है।

फलदार पौधों में अधिक फल उत्पादन को प्रोत्साहित करता है।

यह पौधे की बीज फलियों को भरने, फल का आकार बढ़ाने और फलों को चमकदार बनाने में सहायक है।

जानकी पोटाश बगीचे की मिट्टी में नमी बनाए रखता है, जिससे पौधों को सूखे और पाले जैसी समस्याओं से बचाया जा सकता है।

जानकी पोटाश उर्वरक जड़ स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है।

यह आपके पौधों को स्वस्थ रखने में मदद करता है और पौधों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

जानकी पोटाश शर्करा के बेहतर संश्लेषण में मदद करता है जिसके कारण फलों का स्वाद बेहतर होता है।

जानकी पोटाश पौधों द्वारा जल अवशोषण के लिए जिम्मेदार है तथा पौधों की वृद्धि को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जानकी पोटाश उर्वरक मिट्टी के पीएच मान को बढ़ाता है, अर्थात मिट्टी की अम्लीयता को कम करके क्षारीयता को कम करता है।

का उपयोग कैसे करें:

फसल में प्रति एकड़ 50 किलोग्राम जानकी पोटाश डालने की सिफारिश की जाती है ।

जानकी पोटाश का प्रयोग फल खिलने के समय करना लाभदायक होता है।

जानकी ऑर्गेनिक कम्पोस्ट मिश्रण साफ़ और दाग-रहित है, मिट्टी के दाग-धब्बों की चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं। इसमें कोई रसायन या संरक्षक नहीं मिलाया गया है। 100% प्राकृतिक और जैविक। उत्पाद की गुणवत्ता की गारंटी है और प्राकृतिक होने के कारण यह पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल है। इसमें खली, वर्मीकम्पोस्ट और लाभकारी सूक्ष्मजीव प्रचुर मात्रा में हैं। जानकी जैविक उर्वरक मिट्टी में मौजूद बैक्टीरिया, कवक और अन्य जीवों द्वारा उपयोग किए जाने वाले नाइट्रोजन जैसे कार्बनिक पदार्थ और पोषक तत्व मिलाकर मिट्टी की उर्वरता में योगदान करते हैं। कार्बनिक पदार्थ उच्च जीवों, कवक और बैक्टीरिया से बने होते हैं। जानकी जैविक उर्वरक कार्बनिक पदार्थों के विघटित अवशेष हैं। ये आमतौर पर पौधों से प्राप्त होते हैं, लेकिन अक्सर इनमें कुछ जानवरों का गोबर या बिस्तर भी शामिल होता है।

लाभ:

प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला जैविक उर्वरक पौधों के लिए सर्वोत्तम विकल्प है।

जड़ की गांठों में सहजीवी नाइट्रोजन-फिक्सिंग बैक्टीरिया होते हैं।

मिट्टी की जल धारण क्षमता बढ़ जाती है।

जानकी जैविक उर्वरक में हार्मोन और सूक्ष्म पोषक तत्व होते हैं जो पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक हैं।

बीजों का अंकुरण बढ़ता है, पौधों की वृद्धि मज़बूत होती है और फसल की उपज बढ़ती है। पौधों के लिए यह प्राकृतिक सहारा रासायनिक उर्वरकों या रासायनिक योजकों से उपलब्ध नहीं होता।

जानकी जैविक उर्वरक की संरचना और बनावट सभी पौधों के लिए पूरी तरह उपयुक्त है।

जानकी जैविक खाद प्राकृतिक रूप से हल्की है और इसका रखरखाव आसान है।

अंकुरण, पौधों की वृद्धि और फसल की उपज को बढ़ाता है।

का उपयोग कैसे करें:

50 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से फसल को देने की सिफारिश की जाती है ।

जानकी ऑर्गेनिक का पूरे फसल में दो से तीन बार प्रयोग करना लाभदायक होता है।

संजीवनी गोल्ड जैव-उर्वरक जड़ों में बसाकर, अवशोषणशील जड़ सतह क्षेत्र को कई गुना बढ़ाकर और मिट्टी में पौधों की जड़ प्रणाली के विस्तार के रूप में कार्य करके पौधों को लाभ पहुँचाता है। संजीवनी गोल्ड, विशेष रूप से जल संकट की स्थिति में, बेहतर जल अवशोषण में सहायक है और विभिन्न सूक्ष्म एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों, मुख्यतः फॉस्फोरस, के कुशल अवशोषण में सहायक है। पोषण संबंधी लाभों के अलावा, संजीवनी गोल्ड पौधों को मृदा जनित रोगों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता भी प्रदान करता है।

लाभ:

जड़ वृद्धि को प्रेरित करके पौधे की वृद्धि को बढ़ाता है।

मृदा संरचना को बढ़ाकर सामान्य मृदा स्थिति में सुधार करता है।

फास्फोरस और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों के अवशोषण में सुधार करता है।

ड्राफ्ट और लवणता के प्रति प्रतिरोध प्रदान करता है।

उपज बढती है.

का उपयोग कैसे करें:

लक्ष्यित फसलें: संजीवनी गोल्ड को लगभग सभी फसलों के लिए मृदा अनुप्रयोग हेतु अनुशंसित किया जाता है।

5 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से अनुशंसित है । संजीवनी गोल्ड के उपयोग के बाद उचित सिंचाई अवश्य करें। संजीवनी गोल्ड को थोड़ी मात्रा में गोबर की खाद या किसी भी उपलब्ध जैविक खाद के साथ मिलाकर जड़ क्षेत्र में लगाया जा सकता है।

सावधानियां: संजीवनी गोल्ड के प्रयोग के तुरंत बाद रासायनिक कवकनाशी से मिट्टी को भिगोने से बचना चाहिए।

भंडारण: उत्पाद को सीधे सूर्य की रोशनी से दूर ठंडी और सूखी जगह पर रखें।

जानकी ज़ाइम प्राकृतिक और जैविक ग्रैन्यूल उर्वरक एक अभिनव अनुसंधान उत्पाद है जो विशेष रूप से एस्कोफिलम नोडोसम समुद्री शैवाल से निकाला गया है। यह ज़ाइम-आधारित दानेदार उर्वरक अन्य योगों जैसे, अमीनो एसिड पेप्टाइड मिश्रण, ह्यूमिक एसिड और विशेष रूप से मोरिंगा ओलीफेरा पौधे से बनाया गया है। वनस्पति-आधारित मार्कर यौगिक "ज़ेटिन" का उपयोग करके बनाया गया। जानकी ज़ाइम ग्रैन्यूल उर्वरक एक उत्कृष्ट प्राकृतिक जैविक उर्वरक के रूप में काम करता है और पौधों को संतुलित पोषक तत्वों और पौधों की वृद्धि और विकास पदार्थों से सीधे लाभान्वित करने में सक्षम बनाता है। इसलिए, यह 'ज़ाइम ग्रैन्यूल उर्वरक' पौधों में शारीरिक और जैव रासायनिक प्रक्रियाओं को प्रेरित करने में बहुत मददगार है और यह फूल आने की शुरुआत में और फल लगने के समय दिया जाता है। यह मृदा सूक्ष्मजीवों की गतिविधियों और जनसंख्या को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इस प्रकार, पौधों के लिए पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ाता है।

लाभ:

यह पौधों को रोगों और कीटों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करता है। यह नाइट्रोजन, पोटेशियम, फॉस्फोरस जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व और जिंक, कॉपर और बोरॉन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व आसानी से अवशोषित होने योग्य रूप में प्रदान करता है। यह भूमि की पारिस्थितिकी को बनाए रखने में मदद करता है। यह मृदा संरचना में सुधार करने में भी सहायक है।

यह पोषक तत्वों से भरपूर एक पदार्थ है जो फसल की वृद्धि और विकास में मदद करता है, पौधों में शारीरिक प्रक्रियाओं को तेज़ करता है। इससे पौधों की शक्ति और उपज में सुधार होता है।

का उपयोग कैसे करें:

20-25 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव की सिफारिश की जाती है तथा पहली बार छिड़काव बुवाई के 30 दिनों के बाद शुरू किया जाता है।

प्रति एकड़ 10 किलोग्राम जानकी ज़ियाम डालने की सिफारिश की जाती है ।

जानकी फाश ह्यूमिक, समुद्री शैवाल, अमीनो, फुल्विक, प्रोटीन, तथा पॉलीसैकेराइड के हाइड्रोलिसिस से ग्लिसरॉल, फैटी एसिड और मोनोसैकेराइड में परिवर्तित होने से बना है।

एसिटोजेनेसिस का वह चरण जिसमें साइट्रिक एसिड चक्र से एंजाइमों की गतिविधि शामिल होती है।

जैविक खाद कम्पोस्ट और किण्वन प्रक्रियाओं के माध्यम से बनाई जाती है जो ह्यूमिक एसिड की उपस्थिति को बढ़ा सकती है। एरोबिक किण्वन प्रक्रिया सूक्ष्मजीवों को कार्बनिक पदार्थों को विघटित करने और पोषक तत्वों (P, N, और K) को मुक्त करने के लिए उत्तेजित करती है जो फसल की वृद्धि के लिए फायदेमंद होते हैं। इनोक्युलेंट के रूप में सूक्ष्मजीवी उर्वरकों का उपयोग आम है। जानकी फाश ने उच्च गुणवत्ता वाले जैविक खाद तैयार करने के लिए चूरा, चिकन खाद और बैक्टीरिया के मिश्रण का इस्तेमाल किया। दूसरी ओर, खाद न केवल दुर्गंधयुक्त पदार्थों और रोगाणुओं को हटाती है, बल्कि मिट्टी की संरचना में भी सुधार करती है जिससे यह मिट्टी में सुधार के लिए उपयुक्त हो जाती है। कम्पोस्ट प्रक्रिया अपशिष्ट के कार्बनिक पदार्थों को छोटे आणविक यौगिकों में तोड़ देती है, जो आगे विघटित होकर ह्यूमस बनाते हैं। प्रमुख जीवों में प्राथमिक अपघटक एंजाइम (जैसे पेक्टिनेज, लाइगेज, सेल्यूलोज, आदि) से बने होते हैं जो जटिल कार्बनिक अवशेषों (जैसे सेल्यूलोज, हेमीसेल्यूलोज, लिग्निन) को विघटित करते हैं। दूसरी ओर, द्वितीयक अपघटक केंचुओं, कोलंबोलन, माइट्स, मकड़ियों, क्रस्टेशियंस, मायरियापोड्स और अन्य की गतिविधियों के माध्यम से कृषि-अपशिष्ट के विघटन में भूमिका निभाते हैं।

लाभ:

जानकी फ़श एक प्राकृतिक रूप से उपलब्ध खनिज स्रोत है जिसमें पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की मध्यम मात्रा होती है। ये कृत्रिम उर्वरकों से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में सक्षम हैं। ये मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए बार-बार कृत्रिम उर्वरकों के प्रयोग की आवश्यकता को कम करते हैं।

जानकी फ़श पौधों के पोषक तत्वों और मिट्टी का एक आवश्यक स्रोत है। उर्वरक रासायनिक उर्वरकों से भिन्न होते हैं क्योंकि ये आपके पौधों को पोषक तत्व प्रदान करते हैं और साथ ही स्वस्थ मिट्टी का निर्माण भी करते हैं। इन्हें एक अधिक पर्यावरण-अनुकूल विकल्प माना जाता है। कार्बनिक पदार्थों की उच्च मात्रा वाली मिट्टी ढीली और हल्की रहती है, अधिक पानी और पोषक तत्वों को धारण करती है, और मिट्टी के सूक्ष्मजीवों की वृद्धि को बढ़ावा देती है, जिससे पौधों के स्वास्थ्य और जड़ों के विकास में सुधार होता है।

सब्जियों (टमाटर, सलाद पत्ता, खीरा), फलों (स्ट्रॉबेरी, अंगूर, नींबू), नकदी फसलों (घास, फूल, भांग) के लिए जानकी फाश का व्यापक उपयोग करने की सिफारिश की जाती है।

का उपयोग कैसे करें:

सब्जियों, फलों, फूलों, पौधों और अन्य फसलों में जानकी फाश का प्रयोग करने की सलाह दी जाती है। बुवाई के आठ-दस दिन बाद प्रति एकड़ 2 से 5 किलोग्राम जानकी फाश का प्रयोग करने की सलाह दी जाती है और पूरी फसल में दो से तीन बार प्रयोग करने की सलाह दी जाती है।